बाल विवाह

माँ ! मेरे जन्म होते ही, दिख गये मुझे तेरे आँसू,
मेरे इस संसार मे आने की सोच,
तुझे लगी मैं एक बोझ !!
तेरे आँगन मे बड़ी हुई, बाबुल की मैं प्यारी परी,
लगा दी मेरे हाथ पर मेहंदी, और उठा दी मेरी डोली !

बारह वर्ष की हुई नहीं कि आ गयी जिम्मेदारी ।
क्या यही तेरी समझदारी ?
चौके चूल्हे का ध्यान नहीं, और जिम्मेदारियो का ज्ञान नही ।
माँ बाबा की बहुत याद है आती,
दिन थे वो भी जब तू मुझे अपने हाथो से खाना खिलाती ।

यहाँ पर नही कोई पोंछता आँसू,
और तुम मुझे हर समय लाड़ कराती ।
बन्द करो यह बाल विवाह और जीने दो मुझे अपनी ज़िन्दगी ।
कर लो मुझ पर थोड़ा विश्वास, कभी ना तोड़ूँगी तेरी आस ।।
एक दिन **ऐसा** कुछ कर जाऊँगी,
नाज़ से तेरी और बाबुल की बिटिया कह लाऊँगी ।।

Date : 22.4.18 Name : Pari Khanna Class : 6-A